ST. JOSEPH'S COLLEGE, PRAYAGRAJ

HALF YEARLY EXAMINATION 2024

HINDI

CLASS – X

TIME: 3 Hours **MM: 80**

निर्देश :

1. प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।
2. प्रश्न पत्र दो खण्ड 'अ' एवं 'ब' में विभाजित है।
3. खण्ड 'अ' के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है एवं खण्ड 'ब' से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उसके सम्मुख अंकित है।

खण्ड–अ

भाषा– 40 अंक

प्र0–1 निम्नलिखित किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए जो 250 शब्दों से कम न हो– **(15)**

(1) अनुशासन राष्ट्र की उन्नति का मूल आधार है। अनुशासन के अभाव में कोई भी देश पतन के गर्त में गिर जाता है। अनुशासन का अर्थ, महत्त्व एवं अनुशासनहीनता के दुष्परिणाम को आधार बनाकर निबंध लिखिए।

(2) देश के निर्माण और बहुमुखी प्रगति में विद्यार्थियों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। विद्यार्थी ही देश के भावी कर्णधार हैं। इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(3) ''परोपकार की भावना लोक–कल्याण से पूर्ण होती है।' हमें भी परोपकार पूर्ण जीवन जीना चाहिए विषय को आधार बनाकर निबंध लिखिए।

(4) 'अब पछताए होत क्या जब चिड़ियाँ चुग गयी खेत' उक्ति के आधार पर कोई मौलिक कहानी लिखिए।

(5) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए। अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से हो।

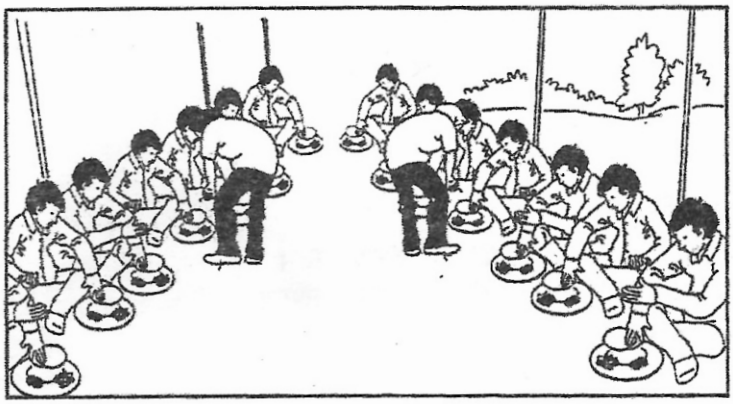

प्र0–2 निम्नलिखित में से किसी <u>एक विषय</u> पर हिन्दी में 120 शब्दों में एक पत्र लिखिए– **(07)**

(1) खराब पड़े बिजली के मीटर के स्थान पर नया मीटर लगवाने के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने के लिये बिजली विभाग के सम्बन्धित अधिकारी को पत्र लिखिए।

(2) मित्र के बड़े भाई को नौकरी मिलने की खुशी में बधाई देते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए।

प्र0–3 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर यथासंभव अपने शब्दों में लिखिए।

इस संसार में सभी जीव–जन्तुओं से प्यार करना चाहिए और उनके प्रति अपना व्यवहार भी मधुर रखना चाहिए। मानव मात्र के प्रति हमें अपने हृदय को हर क्षण खुला ही रखना चाहिए। कहने का तात्पर्य है, कि समाज का हर व्यक्ति अमीर–गरीब, शिक्षित–अशिक्षित, परिचित–अपरिचित हमारे उचित स्नेह एवं सम्मान का अधिकारी है। साधारणतः किशोर एवं किशोरियों के जीवन में उनके माता–पिता, गुरूजन एवं सहपाठियों का महत्वपूर्ण स्थान होता है। इनमें माता–पिता और गुरूजन प्रत्येक स्थिति में हमारी श्रद्धा एवं सत्कार के पात्र हैं। यही नहीं, ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो हमसे आयु में छोटा किंतु बुद्धि, पद एवं सामर्थ्य में हमसे श्रेष्ठ हो, वह भी हमारे आदर का पात्र है।

अपने से किसी गुण में श्रेष्ठ व्यक्ति से जब भी भेंट हो जाए तब उसके प्रति अभिवादन का भाव प्रकट करें। विनम्रतापूर्वक उनको प्रणाम करना ही सर्वश्रेष्ठ ढंग है। यदि हम बैठे हों और वे पहुँच जाएँ, तो यथाशीघ्र हमें स्थान से उठकर खड़े हो जाना चाहिए, अभिवादन के पश्चात उनकी आज्ञा पाकर उचित स्थान ग्रहण करें, किंतु तभी जब उन्होंने स्थान ग्रहण कर लिया हो। उनके साथ बातचीत करते समय पूरी विनम्रता एवं शालीनता बरतें, शब्दों का प्रयोग भी सोच समझ कर करें। क्रोध, क्षोभ एवं घृणा का भाव मन में उठे तो उसे किसी भी रूप में प्रकट न होने दें। गुरूजनों से आँखें न मिलाएँ और न उनके किसी कथन को चुनौती दें।

यदि आप उनकी किसी बात से असहमत हों और अपनी असहमति स्पष्ट करना चाहें तो बड़ी विनम्रता के साथ क्षमा–याचनापूर्वक असहमति प्रकट करें। इसका उन पर बड़ा ही अच्छा प्रभाव पड़ेगा, और आपकी असहमति से उनको जरा भी कष्ट या क्रोध नहीं होगा। संभव है वे स्वयं आपसे सहमत हो जाएँ।

(1) हमें संसार में किससे प्यार करना चाहिए और उनके प्रति अपना व्यवहार कैसा रखना चाहिए? (2)

(2) साधारणतः किशोर एवं किशोरियों के जीवन में किसका महत्वपूर्ण स्थान होता है? (2)

(3) अपने से किसी गुण में श्रेष्ठ व्यक्ति से भेंट होने पर कैसा व्यवहार करना चाहिए? (2)

(4) प्रत्येक स्थिति में हमारी श्रद्धा और आदर के पात्र कौन होते हैं? (2)

(5) इस गद्यांश से क्या शिक्षा मिलती है, समझाइए? (2)

प्र0–4 निम्नलिखित प्रश्नों का सही विकल्प निर्देशानुसार लिखिए–

(i) 'शुष्क' शब्द का विलोम लिखिए– (1)

(1) आद्र (2) आर्द

(3) आरद्र (4) आर्द्र

(ii) 'पत्र' शब्द का पर्यायवाची लिखिए– (1)

(1) पर्ण–दल (2) तनय–नंदन

(3) सुत–तनुज (4) पंकज–सरोज

(iii) 'पतिव्रता' शब्द की भाववाचक संज्ञा लिखिए– (1)

(1) पातिवर्त्य (2) पातिव्रत्य

(3) पतिवर्त्य (4) पतिव्रत्य

(iv) 'नेता' शब्द का स्त्रीलिंग शब्द लिखिए– (1)

(1) नेती (2) नेताइन

(3) नेत्री (4) नेत्रीं

(v) 'कुल' शब्द का विशेषण लिखिए– (1)

(1) कुलीन (2) कुलत्व

(3) कुलिन (4) कुलता

(vi) शुद्ध शब्द लिखिए– (1)
(1) पुज्यनीय (2) पुजनीय
(3) पूजनीय (4) पूज्यनीय

(vii) 'आँख' की किरकिरी होना' मुहावरा का अर्थ है– (1)
(1) अप्रिय लगना (2) धोखा देना
(3) कष्टदायक होना (4) बहुत प्रिय होना

(viii) मेरा छोटा भाई मेरी बात अवश्य सुनेगा (वाक्य में 'चाहिए' शब्द का प्रयोग कीजिए) (1)
(1) मेरे छोटे भाई को मेरी बात अवश्य सुननी चाहिए।
(2) मेरे छोटे भाई को मेरी बात सुननी चाहिए।
(3) मेरी बात मेरे छोटे भाई को अवश्य सुननी चाहिए।
(4) मेरे छोटे भाई को अवश्य मेरी बात सुननी चाहिए।

खण्ड–ब
साहित्य–40 अंक
साहित्य सागर (पद्यांश)

प्र0–5 निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

"न्यायोचित सुख सुलभ नही
जब तक मानव–मानव को
चैन कहाँ धरती पर तब तक
शान्ति कहाँ इस भव को?
जब तक मनुज–मनुज का यह
सुख भाग नहीं सम होगा
शमित न होगा कोलाहल
संघर्ष नहीं कम होगा।"

(i) 'भव' शब्द का क्या अर्थ है? कवि के अनुसार इस भव में शान्ति क्यों नहीं है? (2)
(ii) 'न्यायोचित सुख' का आशय स्पष्ट कीजिए? (2)
(iii) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि ने मानव को क्या सन्देश दिया है? (3)
(iv) राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रतिनिधि कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' का जीवन परिचय लिखिए? (3)

प्र0–6 जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता
श्री कृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता
गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया।
जग को दया दिखाई जग को दीया दिखाया।
वह युद्ध भूमि मेरी, वह बुद्ध भूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।

(i) रघुपति कौन थे? उनका जन्म किस युग में हुआ था? (2)
(ii) गीता में क्या उपदेश दिया गया है? यह उपदेश किसने दिया था? (2)
(iii) 'गौतम' का परिचय देते हुए बताइए कि उन्होंने संसार को क्या सन्देश दिया था तथा मातृभूमि के यश को किस प्रकार से बढ़ाया था? (3)
(iv) शब्दार्थ लिखें– छहरना, अमराइयाँ, छटा, पग, मलय, नित (3)

प्र0–7 साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,
बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते
और दाहिना दया दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए।
भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता–भाग्य, विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसुओं के पी कर रह जाते।

(i) प्रस्तुत कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए। (2)
(ii) 'दया दृष्टि' का क्या अर्थ है? उन्हें इसकी आवश्यकता क्यों है? (2)
(iii) 'घूँट आँसुओं के पीकर रह जातें' इस पंक्ति का भाव स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लाचार और जरूरतमंदों के लिए मन में प्रेम और संवेदना होना क्या आवश्यक है? (3)
(iv) पं0 सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का जीवन परिचय विस्तार से लिखिए? (3)

साहित्य सागर (पद्य)

प्र0–8 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

धर्मराज यह भूमि किसी की, नहीं क्रीत है दासी
है जन्मना समान परस्पर, इसके सभी निवासी
सबको मुक्त प्रकाश चाहिए सबको मुक्त समीरण
बाधा रहित विकास मुक्त आशंकाओं से जीवन।

(1) धर्मराज किसे कहा गया है? उन्हें क्या समझाने का प्रयास किया जा रहा है? (2)
(2) धरती पर रहने वाले सभी एक समान कैसे हैं? स्पष्ट कीजिए? (2)
(3) उपर्युक्त पद का भावार्थ सन्दर्भ सहित लिखिए। (3)
(4) अर्थ लिखिए– (1) क्रीत (2) परस्पर (3) जन्मना (3)
(4) समीरण (5) मुक्त (6) आशंकाओं

प्र0–9

झरने अनेक झरते, जिसकी पहाड़ियों में,
चिड़ियाँ चहक रही हैं, हो मस्त झाड़ियों में।
अमराइयाँ घनी है, कोयल पुकारती है
बहती मलय पवन है, तन–मन सँवारती है।
वह धर्मभूमि मेरी, वह कर्मभूमि मेरी,
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।।

(1) चिड़ियाँ एवं कोयल कहाँ और क्या करते हैं? (2)
(2) 'बहती मलय पवन है तन–मन सँवारती है' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए? (2)
(3) कवि ने भारत को धर्मभूमि एवं कर्मभूमि क्यों कहा है? समझाइए? (3)
(4) इस पद के कवि का जीवन परिचय लिखिए। (3)

प्र0–10

वह आता–
दो टूक कलेजे के करता, पछताता पथ पर आता।
पेट–पीठ दोनों मिलकर है एक, चल रहा लकुटिया टेक,
मुट्ठी भर दाने को–भूख मिटाने को
मुँह फटी–पुरानी झोली को फैलाता
दो टूट कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।

(1) प्रस्तुत कविता में 'वह' शब्द किसके लिये प्रयुक्त हुआ है? उसकी स्थिति कैसी है? (2)
(2) 'पेट–पीठ दोनो मिलकर है एक'– से कवि का क्या आशय है स्पष्ट कीजिए? (2)
(3) भिक्षुक कविता का उद्देश्य समझाकर लिखिए? (3)
(4) इस पद के कवि का जीवन परिचय लिखिए? (3)

खण्ड–'ख' (साहित्य–40 Marks)

साहित्य सागर (गद्य)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

प्र०-8 ~~प्रश्न5:-~~ "सब दिन होत न एक समान, अकस्मात दिन फिरे और सेठ को गरीबी का मुँह देखना पड़ा। संगी साथियों ने भी मुँह फेर लिया और नौबत यहाँ तक आ गई कि सेठ व सेठानी भूखों मरने लगे।

(1) अकस्मात बुरा समय किसका आ गया तथा बुरा समय आने से पहले उसकी दशा कैसी थी? (2)

(2) अपना बुरा समय दूर करने के लिए सेठ ने क्या किया इसके लिए उसे कहाँ, किसके पास जाना पड़ा? (2)

(3) सेठ ने मार्ग में कौन सा महायज्ञ किया? क्या वह वास्तव में महायज्ञ था, समझाकर लिखिए? (3)

(4) इस कहानी से मिलने वाली शिक्षा को समझाकर लिखिए? (3)

प्र०-9 ~~प्रश्न6:-~~ हालदार साहब को हर पंद्रहवें दिन कंपनी के काम के सिलसिले में एक कस्बे से गुजरना पड़ता था।

(1) यहाँ किस कस्बे की बात हो रही है, उसकी विशेषताएँ लिखिए? (2)

(2) कस्बे की नगरपालिका क्या–क्या कार्य करती थी? (2)

(3) नेता जी की मूर्ति कहाँ और किसने लगवाई थी? मूर्ति की क्या विशेषताएँ थी? (3)

(4) मूर्ति बनवाने का कार्य किसे एवं क्यों दिया गया? मूर्ति में क्या कमी थी? उसे कौन पूरी करता था? (3)

प्र०-10 ~~प्रश्न7:-~~ पिछली गर्मियों में मुझे उनकी लड़की के विवाह में सम्मिलित होने के लिये हरिद्वार जाना था?

(1) यहाँ वक्ता कौन है? उन्हें किसके घर जाना था? (2)

(2) लेखक के मित्र का नाम लिखते हुए उनका परिचय दीजिए। (2)

(3) लेखक को यात्रा के दौरान किन–किन समस्याओं का सामना करना पड़ा? (3)

(4) इस कहानी का उद्देश्य समझाइए? (3)